RAS MAINS TEST SERIES 2018

PAPER –I GENERAL KNOWLEDGE AND GENERAL STUDIES

Unit-II - HISTORY

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 15-15 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 2 अंक निर्धारित है।

1. धरसाना में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया?

उत्तरः- मई 1930 में धरसाना में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व श्रीमती सरोजिनी नायडु ने किया। इस सत्याग्रह में मौलाना अबुल कलाम आजाद का भी अहम योगदान रहा।

2. हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिक एसोसिएशन के बारे में जानकारी दीजिए ?

उत्तरः-1928 में चन्द्रशेखर आजाद व भगत सिंह के प्रयासों से इस दल का गठन किया गया। इस दल के प्रमुख कार्यों में लाहोर षड्यंत्र केस (साण्डर्ड हत्याकाण्ड) व केन्द्रीय असेम्बली बम काण्ड सम्मिलित हैं।

3. पाबना विद्राह क्या हैं।

उत्तरः-बंगाल में 1870 के दशक में जमींदारों द्वारा किसानों पर अत्यधिक करारोपण व अत्याचार के विरूद्ध हुआ एक सफल आंदोलन पाबना विद्रोह कहलाता हैं। यह लड़ाई अधिकाशतः कानूनी मोर्चे पर लड़ी गई।

4. होमरूल लीग आंदोलन की प्रमुख उपलब्धियाँ लिखिए ?

- ☞ जुझारू राष्ट्रवादियों की नयी पीढ़ी का जन्म।
- ☞ अप्रत्यक्ष प्रभावों में मांटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार व नरमदल एवं गरमदल मे समझौता।
- ☞ शहरों के मध्य सांगठनिक संचार स्थापित हुआ।

5. हंटर आयोग किस काण्ड से संबंधित हैं ?

उत्तरः-जलियावाला बाग हत्याकाण्ड की जाँच के लिए अक्टूम्बर 1919 में हंटर आयोग का गठन किया। इस आयोग ने किसी प्रकार के दण्ड या अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा नहीं की थी।

6. मांटेग्यू चेम्सफॉर्ड सुधार की कोई दो मुख्य विशेषताएँ बताइयें ?

- ☞ प्रान्तों में द्वैध शासन व्यवस्था का प्रारंभ
- ☞ प्रान्तों के विषय दो भागों में विभाजित - (i) आरक्षित विषय (ii) हस्तांतरित विषय ।

7. गाँधीजी ने असहायेग आन्दोलन वापस क्यों लिया ?

उत्तरः- चौरी-चौरा काण्ड के पश्चात् गाँधीजी आंदोलन के हिंसात्मक होने पर व्यथित थे एवं आशंकित थे कि हिसंक आंदोलन का सरकार द्वारा आसानी से दमन किया जा सकता हैं जिससे संपूर्ण रणनीति विफल होनी की संभावना थी।

8. चटगाँव शस्त्रागार लूट का विवरण दीजिए ?

उत्तरः-1930 में सूर्यसेन व युवा क्रांतिकारियों द्वारा दो शस्त्रगारों को लूटने की योजना बनाई। सशस्त्र विद्रोह की उद्देश्य पूर्ति हेतु पुलिस शस्त्रागार पर कब्जा कर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

9. क्रिप्स मिशन असफल क्यों हुआ ?

- ☞ कांग्रेस द्वारा विरोध - भारत को डोमिनियन स्टेट का दर्जा व पूर्ण स्वराज नहीं।
- ☞ मुस्लिम लीग द्वारा विरोध- एकल भारतीय संघ का प्रावधान।
- ☞ प्रान्तों को भारतीय संघ से पृथक होने व पृथक संविधान बनाने की स्वतंत्रता देना।

10. व्यक्तिगत सत्याग्रह क्या है व प्रथम व्यक्तिगत सत्याग्रही कौन थे?

उत्तरः- अगस्त प्रस्ताव के पश्चात् ब्रिटिश की तानाशाही प्रवृत्ति के विरोध में कुछ चुनिंदा लोगों के सत्याग्रह (दिल्ली चलो) की गाँधीजी द्वारा दी गई अवधारणा व्यक्तिगत सत्याग्रह है। प्रथम सत्याग्रही विनोबा भावे थे।

11. भारत छोड़ो आंदोलन का महत्व लिखिए ?

आन्दोलन में जनसामान्य की स्फूर्ति व अप्रत्याशित भागीदारी से स्पष्ट हुआ कि भारतीय में राष्ट्रभक्ति की भावना भीतर तक समाहित हो गई हैं एवं भारतीयों की इच्छा के विरूद्ध अब अधिक शासन करना संभव नहीं हैं।

12. स्थायी बन्दोबस्त क्या हैं ?

उत्तरः- इस भू राजस्व व्यवस्था के अंतर्गत जमींदारो को भू स्वामी माना गया जिन्हें एक निश्चित धनराशि लगान के तौर पर अंग्रेजों को देनी होती थी।

13. वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम (1878) के प्रमुख प्रावधान क्या हैं ?

- ☞ जिला दण्डनायकों को स्थानीय सरकार की आज्ञा से भारतीय भाषा के समाचार पत्र के प्रकाशक से असंतोष फैलाने वाली सामग्री नहीं प्रकाशित करने का बॉण्ड करवाने की शक्ति।
- ☞ कार्यवाही से बचने के लिए एक प्रति सरकारी पत्रेक्षण को देने का प्रावधान।

14. आंग्ल प्राच्य विवाद (Orientalist-Anglicist Controversy) क्या हैं ?

उत्तरः- आंग्ल शिक्षा समर्थकों का तर्क था कि रोजगारों के अवसर में वृद्धि के लिए पाश्चात्य शिक्षा पद्धति का अनुसरण करना चाहिए, वहीं प्राच्य शिक्षा समर्थक चाहते थे कि भारतीय भाषाओं व साहित्य को प्रोत्साहित किया जाये

15. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर का भारतीय समाज में योगदान का संक्षिप्त उल्लेख कीजिए ?

प्रसिद्ध समाज सुधारक ईश्वरचन्द्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह व स्त्री शिक्षा के सशक्त आंदोलन चलाया व गैर बाह्मण जातियों को संस्कृत पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

16. 'सत्यशोधक समाज' के क्या उद्देश्य हैं ?

उत्तरः-ज्योतिबा फुले द्वारा स्थापित सत्यशाधेक समाज को प्रमुख उद्देश्य सामाजिक सेवा, स्त्रियों व निम्न जातियों के मध्य शिक्षा का प्रचार व उनकी स्थिति में सुधार करना थे।

17. त्रिपिट्टक क्या हैं ?

उत्तरः-बौद्धधर्म के साहित्य में तीन प्रमुख ग्रंथो - विनय पिट्टक (नियमावली), सूत पिट्टक (उपदेशों का संकलन) व अभिधम्मपिटक (निर्वाण व धर्म की व्याख्या का संकलन) त्रिपिट्टक हैं।

18. हीनयान-महायान को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः- बौद्धधर्म की दो शाखाएँ हीनयान (बुद्ध की मूल शिक्षा में विश्वास, रूढ़ीवादी) व महायान (उदारवादी व विकासशील, बुद्ध को ईश्वर के रूप में) हैं।

19. वेद-त्रयी की अवधारणा स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः-ऋग्वेद, यजुर्वेद व सामवेद को सम्मिलित रूप से वेदत्रयी कहा जाता हैं।

20. महाभाष्य नामक पुस्तक की जानकारी दीजिए ?

उत्तरः-महर्षि पंतजलि ने पाणिनी के ग्रन्थ अष्टाध्यायी कुछ चुने हुए सूत्रों पर भाष्य लिखी जिसे व्याकरण महाभाष्य नाम दिया गया ।

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 50-50 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 5 अंक निर्धारित है।

21. "गांधार शैल व मथुरा शैली का विवरण दीजिए ?

गांधार शैली (मूर्तिकला)	मथुरा शैली
☞ पश्चिमोत्तर भाग में उदित मूर्तिकला	☞ विकास सभवतः दूसरी शताब्दी
☞ युनानी व रोमन प्रभाव	☞ बौद्ध, जैन व ब्राह्मण अनुयायियों के लिए
☞ अधिकांश चित्र बुद्ध व बौधिसत्वों के	☞ लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग
☞ काले स्लेटी पाषाण, चुने व पक्की मिट्टी से निर्मित	☞ मुख्यतः दो मुद्राओं में खड़े व बैठे हुए
☞ ध्यान, भूमिस्पर्श, वरद व अभय मुद्रा	☞ वृत्ताकार प्रमामण्डल
☞ मानव शरीर के यथार्थ चित्रण पर बल(सौन्दर्य बोध)	☞ आध्यात्मिकता का भाव अधिक

22. माउन्टबैटन योजना को स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः-जून 1947 को माउन्टबैटन ने भारत के विभाजन के साथ सत्ता हस्तांतरण की योजना प्रस्तुत की-

- ☞ पंजाब व बंगाल का विभाजन-हिन्दू व मुसलमान बहुसंख्यक जिलों की प्रांतीय विधानसभा सदस्यों की अलग बैठक हो।
- ☞ सिंध इस संबंध में निर्णय स्वयं लें।
- ☞ विभाजन की दशा में दो संविधान सभाओं का निर्माण।
- ☞ उत्तर पश्चिमी प्रांत व सिलहट (असम) में जनमत संग्रह
- ☞ भारतीय रजवाड़ो को स्वतंत्र रहने का विकल्प नहीं।

☞ 15 अगस्त 1947 को सत्ता का हस्तांतरण (डोमिनियन स्टेट)

☞ विभाजन में गतिरोध होने पर सीमा आयोग का गठन।

23. भारत के समक्ष स्वतंत्रता के पश्चात् एक नवोदित राष्ट्र के रूप में क्या चुनौतियाँ थी ?

☞ रेडक्लिफ सीमा निर्णय के विवादास्पद बिन्दुओं को सुलझाना (सिखों के धार्मिक स्थल इत्यादि)।

☞ सांप्रदायिक दंगो से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों पर नियंत्रण (पंजाब, दिल्ली व बिहार)

☞ महात्मा गाँधी की हत्या से उत्पन्न तनाव को कम करना।

☞ शरणार्थियों का पुर्नवास एवं बन्दोबस्त की व्यवस्था

☞ संसाधनों व आधारभूत संरचना का अभाव

24. शिलालेख का भारतीय इतिहास में महत्व स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः-शिलालेख प्राचीन इतिहास के साक्ष्य के रूप में महत्वपूर्ण हैं। इनसे तात्कालीन राजनैतिक, सामाजिक व धार्मिक स्थिति का ज्ञान होता हैं। उदाहरणार्थ अशोक के शिलालेखों से मौर्यकालीन प्रशासनिक व्यवस्था एवं धम्म का ज्ञान होता हैं। दीर्घकालीन जीवनकाल होने से शिलालेख लम्बी अवधि तक इतिहास को संचित रखने में सक्षम हैं। इसी कारण सम्राट अशोक से लेकर रुद्रदमन, राजसिंह जैसे कई शासकों ने शिलालेख उत्कीर्ण करवाये जो विभिन्न वंशावलियों व घटनाओं की जानकारी के स्त्रोत हैं।

25. कला के क्षेत्र में जहाँगीर का योगदान स्पष्ट कीजिए ?

उत्तरः-जहाँगीर का काल चित्रकला का स्वर्णकाल कहा जाता हैं। जहाँगीर के काल में मन्सूर (चित्र-साइवेरियन सारस), अबुल हसन (व्यक्ति चित्र विशेषज्ञ), बिशनदास, मनोहर जैसे चित्रकारों को प्रश्रय मिला। इस काल के चित्रों का यूरोपीयन शैली का प्रभाव रहा। एक छवि चित्रों की प्रधानता रही एवं मुरक्के बनाने की शैली विकसित हुई। इसके अतिरिक्त स्थापत्य के क्षेत्र में अकबर का मकबरा, एतमुद्रदोल्ला का मकबरा, कश्मीर में शालीमार बाग इत्यादि जहाँगीर के महत्वपूर्ण योगदान हैं। जहाँगीर के समय से ही भारत में ऊनी वस्त्र उद्योग प्रारंभ हुआ।

26. किस प्रकार 1857 का विद्रोह भारतीय इतिहास में एक निर्णायक मोड़ था?

उत्तरः-1857 के विद्रोह के पश्चात् ईस्ट इण्डिया कम्पनी से शासन लेकर ब्रिटिश ताज के अधीन कर दिया गया। अधीनस्थ पार्थक्य नीति के स्थान पर अधीनस्थ संघ नीति लागू की गई व गोद निषेध को समाप्त करना पड़ा। ब्रिटिश ताज ने सैन्य सुधार व शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन किये। इसके पश्चात् भारतीयों के आत्मबल व स्वाभिमान में वृद्धि हुई। अग्रेजों की कठोर दमन नीति से भारतीय जनता को इनकी वास्तविकता का ज्ञान हुआ, स्वशासन की मांग की नींव पड़ी एवं आगामी राष्ट्रीय आन्दोलनों के लिए आधार निर्मित हुआ।

27. 1905 के पश्चात् बंगाल में चल रहे स्वदेशी आंदोलन में उग्र विचारधारा वाले नेताओं का प्रभुत्व स्थापित होने के पीछे क्या कारण रहे होंगे ?

उत्तरः- 1905 के पश्चात् बंगाल में चल रहे स्वदेशी आंदोलन में उग्र नेतृत्व का प्रभुत्व स्थापित होने लगा क्योकि बंगाल विभाजन से जनता अत्यधिक भावनात्मक रोष में थी, उदारवादियों के नेतृत्व में आन्दोलन का कोई विशेष परिणाम नहीं निकला। उग्रवादी नेता उदारवादियों के संवैधानिक रूख से असहमत थे एवं सरकार ने अभियान को असफल बनाने के लिए कार्यकताओं का दमन प्रारंभ कर दिया। वन्दें मातरम पर प्रतिबन्ध, प्रेस का दमन, लाठी चार्ज, कारावास विद्यार्थियों को प्रताड़ित करने की घटनाओं से उग्रवादी विचारधारा आगे बढ़ी।

28. 1909 के सुधारों द्वारा भारत में नाग के दन्त बो रहे हैं। टिप्पणी कीजिए ?

1909 के मार्ले-मिन्टो सुधार द्वारा मुसलमानों के लिए पृथक सामुदायिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली लागू की गई व विशेष रियायत दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य उदारवादियों को भ्रमित कर राष्ट्रवादी दल में फूट डालना व सांप्रदायिक निर्वाचन प्रणाली से राष्ट्रीय एकता को नष्ट करना था। इस अधिनियम द्वारा नरमपंथियों व मुसलमानों को लालच देकर राष्ट्रवाद की भावना को विभाजित करने का प्रयास किया व सांप्रदायिक्ता की नींव रखी गयीं। इस कारण इस अधिनियम की तुलना नाग के दन्त से ही गई।

29. लखनऊ समझौते का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए ?

उत्तरः–लखनऊ समझौते के फलस्वरूप भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस व मुस्लिम लीग ने एक संयुक्त मंच का गठन किया। कांग्रेस द्वारा मुस्लिम लीग की प्रस्तावित सांप्रदायिक निर्वाचन व्यवस्था को स्वीकार करना, द्विराष्ट्र सिद्धांत की अवधारणा को अंकुरित करने के समान था। इस समझौते द्वारा दो दल एक मंच पर आये किन्तु आम हिन्दू व मुस्लिम जनता में पृथकता की भावना आयी। यद्यपि समझौते के पश्चात् राष्ट्रीय एकता को सरकार ने अनुभव किया व मांटेग्यू घोषणा की गई, परन्तु दीर्घकालिक परिणाम नकरात्मक रहे।

30. असहयोग आंदोलन का मूल्यांकन कीजिए ?

उत्तरः–असहयोग आंदोलन ने पहली बार सम्पूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में बाँध दिया। आंदोलन का विस्तार व्यापक था व इसमें हर वर्ग हर- हर धर्म के लोग प्रतिभागी बने व भारतीयों ने राजनैतिक चेतना का परिचय दिया। इस आंदोलन के पश्चात् सामान्य जन समुदाय के मन से ब्रिटिश शासन का भय कम हुआ परन्तु कुछ जगह हिंसक घटनाओं के होने से आन्दोलन को वापस लेना पड़ा, जिससे कई क्रांतिकारियों को भावनात्मक ठेस पहुँची।

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दें। निम्न प्रश्नों का उत्तर 100 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के 10 अंक निर्धारित है।

31. आधुनिक निर्माण में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान पर प्रकाश डालियें ?

उत्तरः– भारत की एकता के सूत्रधार वल्लभ भाई पटेल का स्वतंत्रता संग्राम में प्रथम योगदान खेड़ा आंदोलन व बारडोली के रूप में था। देश के स्वतंत्रता आंदोलन के सुदृढ़ स्तम्भ वल्लभ भाई पटेल ने स्वतंत्रतापूर्व गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, कांग्रेस के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष जैसे पदों पर रहते हुए देश की जनता को लाभान्वित किया। पटेल ने स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री व गृहमंत्री के रूप में कुशल प्रशासन क्षमता रणनीतिक दक्षता का परिचय दिया। विभाजन के समय संपत्तियों व स्थानों के बटवारें पर विचार करने के लिए बनी भारत विभाजन समिति में पटेल ने भारत का प्रतिनिधित्व किया। विस्थापितों के पुर्नवास, कानून व्यवस्था कायम रखने व शांति के लिए पाकिस्तान से बातचीत करने में प्रमुख भूमिका निभाई। पटेल का सर्वप्रमुख योगदान रियासतों का सफलतापूर्वक एकीकरण कर अखण्ड भारत का निर्माण करना रहा हैं। इस कारण इन्हें 'भारत का बिस्मार्क' कहा गया। गृहमंत्री के रूप में पटेल ने अखिल भारतीय सेवाओं की अवधारणा एवं सांप्रदायिक तनाव की स्थिति को संभालते हुए आधुनिक भारत को नींव रखी।

32. पुरातन मंदिरों की प्रमुख स्थापत्य शैलियों का संक्षिप्त विवरण दीजिए ?

उत्तरः–मंदिरों की स्थापत्य शैलियों ने नागर, द्रविड़ व बैसर शैलियाँ हैं-

i. नागर शैली - यह शैली सामान्य रूप से विन्ध्य पर्वत के उत्तर में पायी जाती हैं। इस शैली के मंदिर मुख्यतः चतुष्कोणीय (वर्गाकार) होते हैं व प्रत्येक भूजा के बीच में प्रक्षेप निकालकर क्रमशः ऊपर तक चला जाता हैं। शीर्ष भाग गोलकाकर, आमलक व कलश होता हैं। इनमें गर्भग्रह, अन्तराल, मण्डप व अर्द्धमण्डप पाये जाते हैं। उदाहरण-सोमनाथ के मंदिर, देलवाड़ा मंदिर, खजुराहो के मंदिर इत्यादि।

ii. द्रविड़ शैली-दक्षिण भारत में विकसित शैली जिसमें आधार भाग वर्गाकार होता है व गर्भगृह के ऊपर का भाग पिरामिडनुमा होता है। ये अत्यधिक ऊंचे व विशाल प्रांगण युक्त होते है जिसका प्रवेश द्वार गोपुरम कहलाता हैं।
उदाहरण-कॉंची का कैलासनाथ मंदिर

iii. बेसर शैली-नागर (रूप में) एवं द्रविड़ (विन्यास में) शैलियों के सम्मिश्रण से मंदिरों की नवीन शैली विकसित हुई। यह विन्ध्य व कृष्णा घाटी के क्षेत्र में लोकप्रिय हुई। इनमें विमान व मण्डप का निर्माण प्रासंगिक रूप में किया गया है व दोनों को जोड़ते हुए अनतराल का निर्माण किया गया हैं। इसके प्रमुख उदाहरणों में कल्लेश्वर मंदिर, काशी विश्वेश्वर मंदिर, कर्नाटक के मंदिर सम्मिलित हैं।

33. सिंधु घाटी सभ्यता एक उन्नत सभ्यता थी। टिप्पणी कीजिए ?

उत्तरः– सिंधु घाटी सभ्यता की उत्कृष्टता सुव्यवस्थित नगर नियोजन से सिद्ध होती है। सामान्यतः यहाँ नगरों को आयताकार खण्ड़ों में एवं दो टीलों में विभक्त कर के बसाया गया। इस सभ्यता में समकोण पर काटती हुई सड़के बनायी गयी एवं अधिकांश भवन पक्की ईंटो से निर्मित किये। भवनों में प्रयुक्त ईंटों में समरुपता (4:2:1) परिलक्षित होती हैं। इसके साथ ही सुनियोजित जल निकासी व्यवस्था इन नगरों की स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साक्ष्य हैं। सिंधु घाटी सभ्यता का स्थापत्य वर्तमान समय में भी उपर्युक्त होता हैं। वृहद स्नानागर, महाविद्यालय भवन के अवशेष, बंदरगाहनुमा संरचना (गोढ़ीवाड़ा), औद्योगिक नगर चन्हुदड़ो इत्यादि साक्ष्य सिंधु घाटी सभ्यता की उन्नत व्यवस्था को प्रदर्शित करते हैं। इसके

अतिरिक्त मुहर प्रणाली (पहचान व सुरक्षा हेतु) मनके के कारखाने, तराजू, कलात्मक मृदभाण्ड, कपास की खेती, नहरों से सिचाई इत्यादि के साक्ष्य सिंधु घाटी सभ्यता की अन्य प्रमुख विशेषताओं में से है जो इसे श्रेष्ठ सिद्ध करते हैं।

34. गुप्तकालीन चित्रकला की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तरः–गुप्तकाल के चित्रों के अवशेषों को बाघ की गुफाओं व अजंता की गुफाओं में देखा जा सकता हैं। गुप्तकालीन चित्रकला में मुख्यतः दो विधियाँ प्रयुक्त की गयी जो फ्रेस्को विधि व टेम्पेरा विधि कहलाती हैं। गुफाओं में चित्र टेम्पेरा विधि द्वारा बनाये जाते थे। गुप्तकालीन प्रमुख चित्रों अजन्ता की गुफा नम्बर 16 से प्राप्त मरणासन्न राजकुमारी का चित्र, गुफा नम्बर 14 जिसे चित्रशाला भी कहते हैं, में मुख्यतः धार्मिक विषयवस्तु से संबंधित चित्र (महात्मा बुद्ध के जीवन से) प्राप्त किये गये। इन गुफाओं में प्राकृतिक दृश्य, बोधिसत्व एवं जातक कथाओं की प्रधानता रही। इसके अतिरिक्त बाघ की गुफाओं से प्राप्त चित्रों का विषयवस्तु लौकिक है जिनमें दैनिक जीवन की चित्रों को स्थान प्राप्त हुआ। इनमें संगीत व नृत्य का दृश्य प्रसिद्ध हैं। गुप्तकालीन चित्रों चित्र का खाका बनाने के लिए लाल खड़िया का प्रयोग होता था व रंगों में काला, नीला व लाल पीला प्रयोग में लाये जाते थे। इस काल में चित्रकला ने कलात्मक सौन्दर्य एवं तकनीक के ऊँचे प्रतिमान स्थापित किये।

35. आधुनिक शिक्षा व्यवस्था के विकास में ब्रिटिश शासन की भूमिका का वर्णन करें?

उत्तरः– चार्ल्स ग्रांट द्वारा एशियाई प्रजा पर लिखी गई पुस्तिका से भारत में अंग्रेजी शिक्षा की अग्रिम रूपरेखा तैयार हुई। भारत में शैक्षणिक प्रयास को वॉरेन हेस्टिंग्स (कलकत्ता मदरसा, एशियाटिक सोसायटी ऑफ बंगाल), जोनाथन डंकन (संस्कृत कॉलेज) लॉर्ड वेलेजली (फॉर्ट विलियम कॉलेज) द्वारा गति प्रदान की गई। इस दिशा में 1813 के अधिनियम व मैकाले समिति द्वारा अधोमुखी निस्यन्दन सिद्धांत एवं पाश्चात्य शिक्षा प्रणाली को लागू किया गया। 1854 के वुड डिस्पेच द्वारा शिक्षा संबंधित महत्वपूर्ण सुधार लागू किये गये। जिनमें प्रत्येक प्रांत में शिक्षा निदेशक के नेतृत्व में शिक्षा विभाग का गठन, तीनों प्रेसीडेन्सी नगरों में विश्वविद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा व स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन जैसे प्रयास सराहनीय रहे। इसे 'भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा' की संज्ञा दी । हंटर आयोग ने प्राथमिक शिक्षा की महत्ता बतायी एवं स्त्री व व्यावसायिक शिक्षा की ओर ध्यान आकृष्ट किया। रेले आयोग की अनुशंसा पर भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम, शिक्षा नीति पर प्रस्ताव (1913) जैसे प्रावधानों से उच्च शिक्षा में सुधारात्मक प्रयास किये गये। सेडलर आयोग की सिफारिशों पर 10+2+3 शिक्षा पद्धति लागू की गई। हार्टोग समिति द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में व्यावसायिक शिक्षा का प्रसार किया गयां सार्जेन्ट योजना में प्रथम बार 6 से 11 वर्ष के बच्चों को निशुल्क योजना का प्रस्ताव रखा। इस प्रकार आधुनिक शिक्षा प्रणाली का संरचनात्मक विकास ब्रिटिश शासन काल में हुआ।